Sem- IInd Sanskrit-Elective.

Week- 1. अनुवाद एवम् कण्ठस्थश्लोकश्च
सरल हिन्दी वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद
पांचो लकारों में वाक्य निर्माण।

Week-2. कारकों का प्रयोग वाक्य निर्माण करने में एवं 6 कारकों में वाक्य निर्माण, अभ्यास कार्य, क्त्वा प्रत्यय, ल्यप् (य) प्रत्यय, तुमुन, शतृ प्रत्यय। अथवा अन्य उपयोगी आदर्श वाक्य।

Week-3. कण्ठस्थ श्लोकों का शुद्ध लेखन (प्रश्न-पत्र में दिये-श्लोकों से भिन्न)।

Week-4. संस्कृत ग्रन्थानुशीलनम्।
दूतवाक्यम् नाटक का परिचय, भास की नाट्य-कला दूतवाक्यम् का सारांश, दूतवाक्यम् के पात्रों का चरित्र-चित्रण। दूतवाक्यम् श्लोक संख्या 1 से 25 श्लोक पर्यन्त।

Week-5. दूतवाक्यम् नाटक के श्लोक संख्या 26 से 58 समाप्त तक। शुकनासोपदेशः (कादम्बरीतः) प्रणीत शुकनासोपदेश "बाणभट्ट" का जीवन परिचय एवं पात्र परिचय।

Week-6 बाणभट्ट की गद्य शैली, शुकनासोपदेश में वर्णित लक्ष्मी का चरित्र-चित्रण, उत्पति व आचरण, स्वभाव से चञ्चला सभी से परिचित, परस्पर विरुद्ध आचरण करने वाली दुष्टा नारी। समस्त शुकनासोपदेश समाप्तम्।

Week-7. शब्दरूपाणि - आत्मन्, दण्डिन्, वाच्, सरित्, सर्व, तद्, एतद्, यद्, किम्, इदम्।

Week-8. शब्दरूपाणि तीनों लिंगों में, अस्मद्, युष्मद्, एक, द्वि, त्रि, चतुर्, पंचन।

Week-9. धातुरूपाणि - आत्मनेपदे - सेव्, लभ्, रूच्, मुद्, याच्, (आत्मनेपदे) कृ, नी, हृ, भज्, पच् (उभयपदे)।

Week-10. छन्दांसि - छन्दों का सामान्य परिचय। मात्राओं का परिचय। गणों का प्रयोग। पाठ्यक्रम में निर्धारित छंदों का विवेचन।

Week-11. छन्द स्रग्धरा, शिखरिणी, वसन्ततिलका, अनुष्टुप् इन्द्रवज्रा, उपजाति परिभाषा एवं उदाहरण सहित।

Week-12. छन्द वंशस्थ, मन्दाक्रान्ता, शार्दूलविक्रीडितम्- आर्या, उपेन्द्रवज्रा एवं मालिनी छन्द परिभाषा एवं उदाहरण सहित। कक्षा-परीक्षा।

Sem - 4th. Sanskrit Elective.

Week-1. श्रीमद्भगवद्गीता ग्रन्थानुशीलनम् ।
महत्वपूर्ण परीक्षापयोगी प्रश्न ।
श्रीमद्भगवद्गीता के द्वितीय अध्याय का सारांश ।
आत्म - तत्त्व, स्थितप्रज्ञ एवं कर्मयोग के सिद्धान्त का वर्णन ।

Week-2. श्रीमद्भगवद् गीता में वर्णित क्षात्रिय धर्म के अनुसार युद्ध की अनिवार्यता ।
श्रीमद्भगवद्गीता में सांख्य - योग का वर्णन ।
श्रीमद्भगवद्गीता के श्लोक संख्या 1 से 10 श्लोक पर्यन्त ।

Week-3. श्रीमद्भगवद्गीता के श्लोक संख्या 10 से 72 श्लोक अन्त तक ।

Week-4. रघुवंश महाकाव्य के द्वितीय सर्ग का सारांश ।
कविशिरोमणि कालिदास की काव्य रचनाओं का वर्णन ।
कालिदास का जीवन - परिचय एवं उनकी रचनाओं का वर्णन ।
रघुवंश के पात्रों का चरित्र - चित्रण ।

Week-5. "उपमा कालिदासस्य" इस कथन की सार्थकता पर प्रकाश ।
रघुवंश महाकाव्य में वर्णित राजा दिलीप की गो सेवा ।
रघुवंश महाकाव्य के श्लोक संख्या 1 से 15 श्लोक पर्यन्त ।

Week-6. रघुवंश महाकाव्य के श्लोक संख्या 16 से 85 श्लोक पर्यन्त ।
कक्षा - कार्य एवं कक्षा परीक्षा ।

WEEK-7. कृदन्त प्रकरणम् ।
पाठ्यक्रम में निर्धारित कृत प्रत्यय ।
क्त, क्तवतु प्रत्यय, प्रसिद्ध धातुओं के क्त, क्तवतु प्रत्ययान्त रूप (पुंल्लिंग) क्त्वा प्रत्यय - प्रसिद्ध धातुओं के 'क्त्वा' तथा 'ल्यप्' प्रत्ययान्त रूप ।

WEEK-8. तुमुन् प्रत्यय - प्रसिद्ध धातुओं के तुमुन् प्रत्ययान्त रूप
तुमुन प्रत्यय, शतृ प्रत्यय, शानच् प्रत्यय
प्रसिद्ध धातुओं के आत्मनेपदी धातुओं के शानच् प्रत्ययान्त रूप (पुंल्लिंग)। यत् प्रत्यय, तव्यत् एवं अनीयर् प्रत्यय ।

WEEK-9. समास प्रकरणम् – द्वन्द्व, बहुव्रीहि ।
द्वन्द्व समास परिभाषा एवं उदाहरण ।
बहुव्रीहि समास परिभाषा एवं उदाहरण ।

WEEK-10. प्रत्याहारसूत्र लघुसिद्धान्त कौमुदी
14 प्रत्याहार - सूत्रों से बने 42 प्रत्याहार तथा उदाहरण परिचय

WEEK-11. लघुसिद्धान्त कौमुदी में वर्णित प्रत्याहार सूत्र संख्या 1 से 20 सूत्र पर्यन्त । ~~कक्ष~~
कक्षा - परीक्षा ।

WEEK-12. लघुसिद्धान्त कौमुदी में वर्णित प्रत्याहार सूत्र संख्या 20 से 42 सूत्र तक ।
कक्षा - कार्य । कथोपकथन ।
संस्कृत में पत्र लेखन कार्य ।

Sem-6th Sanskrit-Elective.

Week-1 संस्कृत - वाग्व्यवहार:
पाठ्यक्रम में निर्धारित विषय
शिष्टाचार: (शिष्टाचार) मेलनम् (मेल-जोल)
सरल-वाक्यानि (सरल वाक्य), सामान्यवाक्यानि (सामान्य वाक्य)
मित्र-मेलनम् (मित्रों से मिलन), भाषा।

Week-2. प्रवासत: प्रतिनिवर्तनम् (प्रवास से वापसी)
छात्रा: (विद्यार्थी), परीक्षा (परीक्षा) चलचित्रम् (चलचित्र)
शिक्षका: (शिक्षक), स्त्रिय: (स्त्रियाँ), पाक: (रसोई)
वेषभूषणानि (वस्त्र-आभूषण इत्यादि)। संस्कृत-प्रश्नोत्तरी।

Week-3. कार्यालय: (कार्यालय), स्वास्थ्यम् (स्वास्थ्य), समय: (समय)
दूरभाषा (टेलीफोन), वाणिज्यम् (वाणिज्य), वातावरणम्,
गृहसम्भाषणम्, भोजनम् (घर की बातचीत, भोजन), पितर: पुत्रा
च (पिता-पुत्र), मातापितरौ (परस्परम्) माता-पिता (आपस में)।
पुत्रा: (परस्परम्) पुत्र (आपस में), अतिथि: (अतिथि),
संकीर्णवाक्यानि, कक्षा-कार्य, कक्षा-परीक्षा।

Week-4. अभिज्ञान-शाकुन्तलम् (5 से 7 अंक) पर्यन्त।
अभिज्ञानशाकुन्तलम् नाटक की कथा-वस्तु,
पात्र-परिचय, कवि-परिचय,

Week-5. अभिज्ञान-शाकुन्तलम् नाटक ~~की~~ के अंङ्क ~~पञ्चम~~
पञ्चम एवं षष्ठ अंङ्क के श्लोक संख्या 25 पर्यन्त।

Week- अभिज्ञान-शाकुन्तलम् के अंङ्क षष्ठ की श्लोक
संख्या 26 से 32 समाप्त तक। एवं सप्तम अंङ्क।
कक्षा-कार्य एवं कक्षा परीक्षा।

Week-7. संस्कृत साहित्य का इतिहास,
रामायण के रचयिता - महर्षि वाल्मीकि का चरित्र-चित्रण स्वरूप। रामायण का आविर्भाव, रचनाकाल, विषय-विवेचन, महत्त्व
महाभारत के रचयिता महर्षि व्यास का चरित्र-चित्रण
महाभारत के तीन रूप, आख्यानक, महत्त्व।

Week-8. अश्वघोष की जीवन परिचय, अश्वघोष का धर्म,
अश्वघोष की रचनाएँ, भाषा-शैली, छन्द विधान।
कालिदास का जीवन-परिचय, भाषा-शैली, रचनाएँ।
भारवि का जीवन-परिचय, रचनाएँ, भाषा-शैली, बाणभट्ट, सुबन्धु, दण्डी।

Week-9. माघ, भवभूति, श्रीहर्ष, अम्बिका दत्त व्यास इन कवियों का जीवन-परिचय, भाषा-शैली, रचनाएँ।

Week-10. निबंधावली,
संस्कृत में सरल विषयों पर निबंध
संस्कृत भाषाया: महत्वम्, विद्याया: महत्वम्, विद्याविहीन: पशु:
सत्सङ्गति:, परोपकार:, सदाचार:, जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी,

Week-11. दीपमाला, विजयादशमी, ग्रीष्म: ऋतु:, महात्मा बुद्ध:,
मम प्रिय कवि: (कालिदास:), मम प्रिय पुस्तकम्
श्रीमदभगवद्गीता, संघे शक्ति: कलौयुगे, वसन्त: ऋतु:।
विज्ञानम्।

Week-12. अलंकार - अनुप्रास, श्लेष, यमक, उपमा, उत्प्रेक्षा
रूपक, अर्थान्तरन्यास, अतिशयोक्ति, विभावना,
विशेषोक्ति।